और भारतीय भाषाओं में जितनी पत्र-पत्रिकायें निकलती हैं उनमें छपने वाले अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं के लेखों के लिये समान पारिश्रमिक दिया जाता है ;

(ख) यदि नहीं, तो इस भेदभाव का क्या कारण है; और

(ग) पिछले वर्ष (१) अंग्रेजी और (२) भारतीय भाषाओं के लेखों के लिये कितना कितना पारिश्रमिक दिया गया ?

t [REMUNERATION FOR ARTICLES

364. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether equal remuneration is paid for articles both in English and in Indian languages published In papers and periodicals brought out by the Ministry of Commerce and Industry and its attached offices;

(b) if not, what is the reason for this differentiation; and

(c) what was the amountof remuneration lish and (ii) Indian langua

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में उद्योग मंत्री (श्री एन० कानूनगो) : (क) प्रश्न ही नहीं उठता क्योंकि वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय एवं उसके संलग्न कार्यालयों से प्रकाशित होने वाली किसी भी पत्र-पत्रिका आदि में छपने वाले लेखों के लिये कोई भी पारिश्रमिक नहीं दिया गया है ।

(ख) और (ग) प्रश्न ही नहीं उठते ।

t[THE MINISTER OP m TUB MINISTRY or COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI N. KANUNGO): (a) Does not arise, since no remuneration has been paid for articles published in periodicals etc. brought out by the Ministry of Commerce and Industry and its attached offices.

(b) and (c). Do not arise.]

वैदेशिक कार्य मंत्रालय की पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखों के लिए पारिश्रमिक

३६५. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वैदेशिक कार्य मंत्रालय तथा उसके संलग्न कार्यालयों से अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं में जितनी पत्र-पत्रिकायें निकलती हैं उनमें छपने वाले अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं के लेखों के लिये समान पारिश्रमिक दिया जाता है ;

(ख) यदि नहीं, तो इस भेदभाव का क्या कारण है ; और

(ग) पिछले वर्ष (१) अंग्रेजी और (२) भारतीय भाषाओं के लेखों के लिये कितना कितना पारिश्रमिक दिया गया ?

t [REMUNERATION FOR ARTICLES, PUBLISHED IN E. A. MINISTRY PAPERS AND PERIODICALS

365. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether equal remuneration is paid for articles both in English and in the Indian languages published in the papers and periodicals brought out by the Ministry of External Affairs and its attached offices;

(b) if not, what is the reason for this discrimination; and

(c) what was the amount Of remuneration paid last year for articles (i) in English and (ii) in Indian languages?]

"\ J English tranalatlan

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) हमारे विदेश-स्थित मिशनों के उपयोग के लिये, विदेश प्रचार प्रयोग अंग्रेजी में भारतीय विषयों पर वृतलेख (फ़ीचर आर्टिकल्स) तैयार करता या कराता है । इसलिये, भारतीय भाषाओं के लेखों के पारिश्रमिक का प्रश्न नहीं उठता ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(ग) १९६१-६२ वित्तीय वर्ष में लेखकों को कुल रु० ३६७१.६५ न० पै० पारिश्रमिक दिया गया ।

t[THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) Feature articles on Indian subjects are commissioned Or prepared in the Ex ternal Publicity Division in English for the use of our Missions abroad. The question of payment for articles in Indian languages, therefore, does not arise. /

(b) Does not arise.

(c) A sum of Rs. 3,671:63 nP. was paid to contributors during the financial year 1961-62.]

समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में विज्ञापनों का प्रकाशन

३६६. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) निर्माण, आवास और संभरण मंत्रालय तथा उसके संलग्न कार्यालयों द्वारा जितने समाचार पत्र और पत्रिकाएं इस समय अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं में निकाली जाती है उनमें केन्द्रीय सरकार के जो विज्ञापन प्रकाशनार्थ आते हैं वे प्रत्येक भाषा के समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं के लिये अलग अलग आते हैं अथवा सम्मिलित रूप से ;

(ख) यदि वे सम्मिलित रूप से आते हैं तो क्या उनका वितरण अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं के समाचारपत्रों और पत्रिकाओं को समान रूप से किया जाता है और यदि नहीं, तो इसका क्या कारण है; और

(ग) क्या इन समाचारपत्रों और पत्रिकाओं के आय-व्यय का लेखा अलग अलग रखा जाता है और यदि हां, तो पिछले वर्ष प्रत्येक समाचारपत्र और पत्रिका को सम्मिलित रूप से आये विज्ञापनों से कितनी आय हुई ?

t [PUBLICATION OF ADVERTISEMENTS IN PAPERS AND PERIODICALS

366. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to state:

(a) whether advertisements pertaining to the Central Government which are received for publication in papers and periodicals at present brought out by the Ministry of Works, Housing and Supply and its attached offices in English and Indian languages, are received separately for the papers and periodicals of each language or collectively;

(b) if they are received collectively, whether they are allocated equally to the papers and periodicals in English and Indian languages and if not, the reason thereof; and

(c) whether the accounts of Income and expenditure in respect of these papers and periodicals are maintained separately and if so, what was the income with respect to each paper and periodical from the advertisements last year?]

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : (क) इस मंत्रालय और इसके संलग्न कार्यालयों द्वारा

tl] English translation.